हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 132 लखनऊ, गुरुवार 01 जनवरी 2026 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बाराबंकी: खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु, कार ट्रक से टकराई 1 की मौत, 6 गंभीर घायल

एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के रामनगर क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार की रात करीब एक बजे बहराइच हाईवे पर मनकापुर, गोण्डा से खाटू श्याम दर्शन जा रही अर्टिगा कार गन्ना लदे ट्रक से टकरा गई जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि छह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना रामनगर अंतर्गत बाराबंकी बहराइच हाईवे पर दलसरांय गांव के पास रात करीब 1.00 बजे हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि छह घायल हैं। मनकापुर गोंडा निवासी सभी लोग खाटू श्याम दर्शन के जा रहे थे। तभी कार आगे चल रही गन्ना लदी ट्रक में घुसी गई। सभी घायलों को रामनगर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे में यश दुबे (17) निवासी मनकापुर गोंडा, प्रिंस (29) निवासी गुड्डमल चौराहा पटेल नगर गोंडा, जितेंद्र कुमार (26) निवासी भेलसरगंज थाना वजीरगंज मनकापुर गोंडा, लवकुश गुप्ता (27) निवासी मनकापुर गोंडा, सौरभ दुबे (27) व शिवम (30) निवासी बलेसरगंज थाना वजीरगंज घायल हालत में पहुंचे, जिसमें शिवम को मृत घोषित कर दिया गया।

अयोध्या के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे नहीं टिक पाया कोई दुश्मन: योगी

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
पहले मिलती थीं लाठी और गोली, अब देश में हर जगह बोल सकते जयश्रीराम और राम–राम: गोरक्षपीठाधीश्वर
सीएम योगी ने अंग्रेजी 4 नववर्ष 2026 की दी शुभकामना, सभी के लिए मंगलकारी हो यह वर्ष

बीएनई

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। सीएम योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था। पिछली सरकारों के शासन में होते थे आतंकी हमले सीएम योगी ने पिछली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिस अयोध्या में कभी संघर्ष नहीं होता था, उस अयोध्या में पिछली सरकारों के शासन में आतंकी हमले होते थे। अयोध्या को लहुलूहान करने का प्रयास हुआ था, लेकिन जहां प्रभु की कृपा बरसती हो और जहां हनुमानगढ़ी में स्वयं हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, वहां कोई आतंकी कैसे घुस जाता। 2005 में जैसे ही आतंकियों ने दुस्साहस किया, तैसे ही पीएसी के जवानों ने ठक–ठक करके उन्हें मार गिराया। कभी विस्मृत नहीं हो सकती तीन तिथियां सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के अंदर तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को अयोध्या कभी विस्मृत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत में पहली बार 5 अगस्त 2020 को किसी प्रधानमंत्री का अयोध्या में आगमन हुआ। उन्होंने उस दिन यहां श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 (पौष शुक्ल द्वादशी) को फिर अयोध्या धाम आकर प्रधानमंत्री ने रामलला की भव्य मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न किया। 25 नवंबर 2025 को विवाह पंचमी पर प्रधानमंत्री जी ने अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर पर सनातन धर्म की भगवा ध्वजा को प्रतिष्ठित किया और संदेश दिया कि सनातन से ऊपर कोई नहीं। सनातन का पताका हमेशा ऐसी ही दिखाई देगी। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में राजनाथ सिंह जी की रही प्रत्यक्ष भूमिका मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह जी की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है। 500 वर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के विराजमान होने और मंदिर के इस भव्य स्वरूप को देखकर वे आनंद–गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। आंदोलन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले रक्षा मंत्री जी प्रतिष्ठा द्वादशी पर जब मां अन्नपूर्णा के मंदिर पर सनातन धर्म की ध्वजा का आरोहण कर रहे थे तो मैंने उन्हें भावुक होते देखा है। पांच साल में 45 करोड़ श्रद्धालु आए अयोध्या सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले बिजली, पानी, स्वच्छता, सड़क, कनेक्टिविटी, सुरक्षा भी नहीं थी। जयश्रीराम बोलने पर लाठी और गिरफ्तारी होती थी, लेकिन अयोध्या के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए देश–दुनिया का हर सनातन धर्मावलंबी अब यहां दर्शन करके अभिभूत होता है। पहले कुछ लाख लोग यहां आते थे, लेकिन पिछले पांच साल में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या आए। सूर्य वंश की राजधानी अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी के रूप में हो गई है। अयोध्या धाम में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है, अयोध्या रेलवे की डबल लाइन के साथ जुड़ गया है। हर ओर से यहां कनेक्टिविटी बेहतर हुई। जिस अयोध्या में सिंगल लेन की सड़कें थीं, आज फोरलेन की सड़कें हैं। देश में अब हर जगह बोल सकते जयश्रीराम और राम–राम

गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब हर जगह जयश्रीराम और राम–राम बोल सकते हैं। अब भारत सरकार की योजना भी 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है। यह रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

रामभक्तों ने नहीं की लाठी और गोली की परवाह सीएम योगी ने कहा कि हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है। पांच सौ वर्ष के इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 1528 से लेकर 1992 और इसके उपरांत भी अयोध्या में हर 20–25 वर्ष में राम मंदिर को वापस लेने के लिए राम भक्त लगातार संघर्ष करता रहा। वह रूका, झुका और बैठा नहीं। उसने सत्ता, दमन, लाठी व गोली की परवाह नहीं की बल्कि वह लड़ता रहा। यह आंदोलन सफलता की नई ऊंचाइयों तक तब पहुंचा, जब आरएसएस ने नेतृत्व दिया। पूज्यों संतों को एक मंच पर लाने में अशोक सिंहल ने सफलता हासिल की। गुलामी का कलंक मिटा और भव्य राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ।

यह यात्रा का विराम नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है सीएम योगी ने कहा कि आज प्राण–प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित हुआ। अयोध्या की भव्यता, दिव्यता को अनंत काल तक बनाए रखने के लिए हर सनातन धर्मावलंबी को आगे बढ़ना होगा। यह यात्रा का विराम नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हुए विकास के नित नए प्रतिमान को स्थापित करना है। पीएम मोदी ने हर भारतवासी को विकसित भारत की संकल्पना दी है। देश जब आजादी के 100 वर्ष पूरा करेगा तो हर भारतवासी का संकल्प होना चाहिए कि विरासत का संरक्षण करते हुए अपने क्षेत्र में उत्कृष्टतम कार्य करके दिखाना है। देश और सनातन धर्म की ध्वजा पताका को ऊपर उठाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास को बढ़ाना पड़ेगा। यही प्रयास भारत को दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करेगा।

भारत 2026 कैलेंडर लॉन्च, सेवा, सुशासन और समृद्धि टैग लाइन के साथ केंद्र सरकार ने किया जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को सेवा, सुशासन और समृद्धि टैग लाइन के साथ 2026 के लिए अपना आधिकारिक कैलेंडर जारी किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने यहां मीडिया सेंटर में विकसित भारत 2047 की दिशा में देश की प्रगति, समावेशी विकास और आर्थिक मजबूती को दर्शाते इस कैलेंडर को जारी किया। केंद्र सरकार के नये कैलेंडर में क्यूआर कोड हैं जो सरकार की हर महीने की नीतियों और पहलों के बारे में जानकारी देता है। इस कैलैंडर को हिंदी और अंग्रेजी सहित 13 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किया गया है। इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचकर जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। डॉ. मुरुगन ने ठींतंज/2026 नाम से सरकार के आधाकिरिक कैलेंडर को जारी करते हुए कहा, कहा, साल 2025 के दौरान सरकार ने कई बड़े सुधार किए जो विकसित भारत 2047 की ओर हमारी राष्ट्रीय यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय हैं। इन सुधारों का मकसद समावेशी विकास सुनिश्चित करना, आर्थिक मजबूती को बढ़ाना और भारत के स्थायी विकास के लिए मजबूत नींव रखना था। इस कोशिश के केंद्र में आर्थिक और कर सुधार थे, जिनका मकसद नागरिकों पर बोझ कम करना और स्वेच्छा से नियमों का पालन करने को बढ़ावा देना था। सूचना एवं प्रसार मंत्रालय में सचिव संजय जाजू ने कहा, इस साल का कैलेंडर श्टींतंज/2026 सेवा, सुशासन और समृद्धि भारत को एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरते हुए दिखाता है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं – हम सब एक सुधार एक्सप्रेस में सवार हैं और इस सुधार एक्सप्रेस में सिर्फ सुधार ही नहीं हैं, बल्कि इसमें सबको शामिल करना और उनकी उम्मीदें भी हैं। यह कैलेंडर असल में इस दृष्टिकोण को आसानी से समझ में आने वाली मासिक थीम में बदलने की कोशिश करता है। ये सभी मासिक थीम हमारे नागरिकों से अलग–अलग क्षेत्रों और अलग–अलग पीढ़ियों में बात करती हैं।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर अयोध्या पहुंचे : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

श्री राम जन्मभूमि परिसर में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर रक्षा मंत्री ने की धर्मध्वजा की स्थापना
भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा, भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा है– राजनाथ सिंह

बीएनई

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के द्वितीय वार्षिकोत्सव में शामिल होने, आज देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किये। इसके बाद उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया।इस दौरान अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि "नाथ आजु मैं कहा न पावा"। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। अयोध्या की हर गली, हर चौराहा क्या पूरा भारतवर्ष आज राममय है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, ्आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली–हर चौराहा राममय हो गया हो। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयु की गोद में शोभायमान हो रही है। यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताते हुए याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं होने दिया। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा कहा। उन्होंने कहा, हम सभी पिछले अनेक पीढ़ियों की तुलना में अत्यतं सौभाग्यशाली हैं कि हमने वह क्षण अपनी आंखों से देखा। राम मंदिर आंदोलन, दुनिया का सबसे ग्रैंड नैरेटिव है राम मंदिर आंदोलन को उन्होंने दुनिया का सबसे ग्रैंड नैरेटिव बताते हुए कहा कि यह आंदोलन भूगोल और समय दोनों के हिसाब से अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेकों देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सब राम को मानने वालों का आंदोलन था। 500 वर्षों के लम्बें अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन इतिहास में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में केवल श्रीराम मंदिर का ही निर्माण नहीं हुआ है बल्कि हवाई अड्डा, रेल नेटवर्क, रोड कनेक्टिविटी के साथ उद्योग, व्यापार का सभी क्षेत्रों में अयोध्या विकास के नये आयाम रच रही है। विकास की यह धारा केवल अयोध्या तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे अवध प्रांत से लेकर देश के कोने–कोने तक पहुंच रही है। अवधपुरी की इस विकास यात्रा के लिए उन्होंने डबल इंजन सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और सफल प्रयास की सराहना की और बधाई दी।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने आतंकियों को उनके ठिकानों में घुस कर सबक सिखाया रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए प्रभु श्रीराम की मर्यादा का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा जिस प्रकार प्रभु श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। साथ ही उन्होंने बताया कि जिस तरह भगवान राम का दिव्य–भव्य मंदिर आयोध्या धाम में प्रतिष्ठित है, उसी तरह पुनौराधाम में मां जानकी की जन्मस्थली में भव्य मंदिर का भी निर्माण हो रहा है। अपने संबोधन के समापन पर उन्होंने प्रार्थना की, जब तक गगन में चंद्र और दिवाकर विद्यमान हैं, तब तक सनातन आस्था की ये धर्मध्वजा लहराती रहे। प्रभु राम हम सबको कर्तव्य का मार्ग दिखाएं।

राजस्थान पुलिस ने 150 किलो विस्फोटक समेत 2 को किया अरेस्ट, इलाके में मचा हड़कंप

एजेंसी

टोंक। राजस्थान के टोंक जिले में पुलिस की डीटीएस (डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विस्फोटक सामग्री की अवैध सप्लाई का खुलासा किया है। डीटीएस टीम ने बूंदी से टोंक लाया जा रहा करीब 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट कार सहित जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह विस्फोटक सामग्री एक मारुति सियाज कार में भरकर लाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार, दो युवक बूंदी जिले के करवर क्षेत्र से विस्फोटक सामग्री लेकर टोंक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कैच टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि बूंदी से टोंक की ओर भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की सप्लाई की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और बरौनी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान डीटीएस टीम ने एक मारुति सियाज कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को चौंकाने वाला खुलासा हुआ। वाहन में यूरिया खाद के कट्टों में छुपाकर रखा गया 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया। इसके साथ ही पुलिस ने 200 डेंजर एक्सप्लोसिव कार्टेज और सेफ्टी फ्यूज वायर के 6 बंडल, जिनकी कुल लंबाई करीब 1100 मीटर बताई जा रही है, भी जब्त किए हैं। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुरेंद्र पुत्र भंवरलाल (उम्र 48 वर्ष) और सुरेंद्र मोची पुत्र दुलीलाल (उम्र 33 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी विस्फोटक सामग्री को अवैध रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहे थे। डीटीएस टीम द्वारा दोनों आरोपियों से विस्फोटक सामग्री की सप्लाई के स्रोत, इसके संभावित उपयोग और इससे जुड़े अन्य लोगों को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई और इसे किस उद्देश्य से टोंक ले जाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने मारुति सियाज कार को जब्त कर लिया है और पूरे मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद इस नेटवर्क से जुड़े अन्य खुलासे भी हो सकते हैं।

वोडाफोन-आइडिया के लिए राहत पैकेज मंजूर

5 साल टला एजीआर बकाया, 2031 से पेमेंट भुगतान होगा शुरू

दिल्ली ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्ज में फंसी वोडाफोन–आइडिया के लिए राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके तहत 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाये के भुगतान से राहत दी गयी है। कंपनी को यह बकाया अब वित्त वर्ष 2031–32 से वित्त वर्ष 2040–41 तक देना होगा। सूत्रों ने 'न्यूज एजेंसी' को बताया कि दूरसंचार विभाग कटौती सत्यापन दिशानिर्देशों और लेखापरीक्षा रिपोर्ट के आधार पर रोके गए एजीआर बकाया का पुनर्मूल्यांकन भी करेगा। इस बारे में सरकार द्वारा नियुक्त एक समिति निर्णय करेगी। सूत्रों ने बताया कि इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2017–18 और वित्त वर्ष 2018–19 से संबंधित एजीआर बकाया (जिसे उच्चतम न्यायालय के 2020 के आदेश द्वारा पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है) वोडाफोन–आइडिया द्वारा वित्त वर्ष 2025–26 से वित्त वर्ष 2030–31 के दौरान बिना किसी बदलाव के देय होगा। इन कदमों से दूरसंचार कंपनी में करीब 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सरकार के हितों की रक्षा होगी। साथ ही स्पेक्ट्रम नीलामी शुल्क और एजीआर बकाया के रूप में केंद्र को देय राशि का व्यवस्थित भुगतान सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, वीआईएल इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा में बनी रहेगी और उसके 20 करोड़ उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी।

पश्चिम बंगाल: पीएम मोदी जनवरी-फरवरी में फूकेंगे चुनावी बिगुल, कई सार्वजनिक सभाओं को करेंगे संबोधित

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव अभियान का आगाज 18 जनवरी को मालदा से कर सकते हैं। मालदा को उत्तर बंगाल का प्रवेश द्वार माना जाता है और यह मुस्लिम बहुल आबादी वाला क्षेत्र हैं।स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद खगेन मुर्मु ने बुधवार को कहा कि पार्टी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को उनके बंगाल दौरे के लिए 18 जनवरी की तारीख तय करने की जानकारी दी है।

दौरे की मंजूरी मिलने के बाद आसपास के चार जिलों के पार्टी नेताओं को भी बुलाया जायेगा। भाजपा सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री जनवरी और फरवरी में कई सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करेंगे। अप्रैल मध्य तक पश्चिम बंगाल के 294 सीटों के लिए राज्य विधानसभा चुनाव संपन्न होने की संभावना है।

संपादकीय

कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ग्घे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन–ब–दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे–बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनरू जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

राशिफल

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

नववर्ष 2026 : नव चेतना, नव संकल्प और संतुलित जीवन की शुरुआत

–सुनील कुमार महला

नववर्ष प्रभात में बरसे, ईश्वर का शुभ आशीष अपार,
मार्तण्ड रश्मियों से जागे, नव–जोश, उमंग, नव–विस्तार।
खिले मन सभी के जग में, दुःख–अवसाद का नाम न हो,
मंगलमय हो जीवन–पथ, शुभकामनाएं अविराम कहो।

अंग्रेजी वर्ष 2025, इकतीस दिसंबर को समाप्त हो गया और अब हम सभी वर्ष 2026 के नवप्रभात में प्रवेश कर गए हैं। वर्ष 2025 में हम सभी ने बहुत से संकल्प रखे, कुछ पूरे हो गए, कुछ अधूरे। जीवन का एक क्रम है, आदमी जो चाहे,वह सब कुछ पूरा हो जाए, ऐसा बहुत कम ही होता है। जीवन की धूप–छांव में कुछ पूरा, कुछ अधूरा चलता रहता है। आदमी का काम है–कर्म करना, निरंतर मेहनत और ईमानदारी से कर्तव्य पथ पर चलना। संघर्ष ही असली जीवन है। बिना संघर्ष के जीवन, जीवन नहीं है।जीवन में समस्याएँ आना स्वाभाविक है, उनसे डरना या घबराना समाधान नहीं है। असली फर्क इस बात से पड़ता है कि हम समस्या को देखने और उससे निपटने का दृष्टिकोण कैसा रखते हैं। मन के भीतर यदि अशांति, भय और नकारात्मकता है, तो वही बाहर की परिस्थितियों में भी दिखाई देगी और यदि मन शांत, संतुलित और स्वीकार भाव से भरा है, तो बाहरी समस्याएँ भी उतनी बड़ी नहीं लगेंगी। समय हर समस्या को बदल देता है, इसलिए किसी भी वर्तमान संकट को स्थायी मानकर भयभीत नहीं होना चाहिए। समस्या को कितना महत्व देना है, यह हमारे हाथ में है। साथ ही, अपने इष्टदेव और परमात्मा पर पूर्ण विश्वास और समर्पण रखना चाहिए, यह समझते हुए कि वही शक्ति भीतर आत्मा के रूप में विद्यमान है।

हर स्थिति ईश्वर की ही व्यवस्था है:–

जीवन में कुछ अच्छा हो तो उसे केवल अपना पुरुषार्थ कहना और बुरा हो तो ईश्वर पर डाल देना, यह सही दृष्टि नहीं है। वास्तव में हर स्थिति ईश्वर की ही व्यवस्था है। हमें परिस्थितियों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन प्रयत्न करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि प्रयत्न करना हमारा कर्तव्य है।संक्षेप में, यह विचार सिखाता है कि समर्पण, संतुलन, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास–यही जीवन की समस्याओं से निपटने का सही मार्ग है। यदि जीवन में सबकुछ आसानी और सरलता से मिलता चला जाए, तो जीवन जीने की असली अनुभूति कभी होगी ही नहीं, इसलिए जीवन पथ पर ईश्वर ने पग–पग संघर्ष की भी रचना की तो पथ को सरल व आसान भी बनाया। नववर्ष के साथ अब हम नव शुरूआत करने जा रहे हैं।हर वर्ष की भांति हर किसी के पास नये संकल्प हैं, नव ऊर्जा है, नया विश्वास है, जोश है, उमंग है। संकल्पों का तो जैसे उजास है। मन में बहुत कुछ संजोए रखा है, हम सभी ने नववर्ष के लिए। नववर्ष में हम बुरे समय को भूलें, कुछ नया व अच्छा करने की सोचें। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।बीते पलों, बीती बातों की धूल को झाड़कर नव संकल्प की पगडंडियां पकड़ें। आदमी के मन में संकल्प हो, दृढ़ विश्वास हो, सकारात्मक सोच हो, तो क्या संभव नहीं हो सकता है ? हमारी स्मृतियां हमें याद नहीं करनीं हैं, भूत; भूत होता है।हम वर्तमान में जीएं, भविष्य की चिन्ता छोड़ें।आगे क्या होगा, कैसे होगा, सब भूलें। वर्तमान ही जीवन है। भविष्य के पथ पर आगे बढ़ें, लेकिन भविष्य के लिए ज़्यादा सोचें नहीं। तनाव, अवसाद आदमी को कहीं का नहीं छोड़ता। चिंता किसी भी बात की नहीं करनी है। चिंता का फायदा क्या है ? जब कोई चीज़ हमारे वश में ही नहीं है, तो उस पर चिंता करके हम क्या कर लेंगे ? नववर्ष आत्ममंथन, आत्मसुधार और नई शुरुआत का पावन अवसर:–

कहना ग़लत नहीं होगा कि नववर्ष आत्ममंथन, आत्मसुधार और नई शुरुआत का पावन अवसर है। नव प्रभात की श्वेत किरणें जब धरती पर उतरती हैं, तो केवल अंधकार ही नहीं मिटता, बल्कि चेतना के भीतर नई संभावनाओं के बीज भी बोए जाते हैं। नववर्ष समय की देहरी पर खड़ा होकर हमें नई दिशाओं का आमंत्रण देता है। बीते कल की थकान को उतारकर यह उम्मीदों की चादर ओढ़ा देता है। हर सुबह नए स्वप्नों की सुगंध लेकर आती है और हर शाम विश्वास की लौ जलाती है। मन के आंगन में संकल्पों के दीप प्रज्वलित होते हैं। टूटे अनुभवों से सीखकर आगे बढ़ने का साहस इसी क्षण जन्म लेता है। नववर्ष प्रेम, करुणा और सौहार्द का मधुर संगीत रचता है। यह जीवन के सूखे पन्नों पर रंग भरने का अवसर देता है। मुस्कानें गहरी होती हैं और रिश्ते और मजबूत बनते हैं। नववर्ष हमें स्वयं से बेहतर बनने की प्रेरणा देता है। सचमुच, नववर्ष नई रोशनी, नई ऊर्जा और नए विश्वास की अनुपम शुरुआत है।बीता हुआ समय अनुभव बनकर हमारे साथ रहता है–जो टूटा, वह सीख बना; जो हारा, वह ज्ञान। याद रखिए कि हर विफलता के गर्भ से ही दृढ़ संकल्प जन्म लेता है।जीवन की राहें कई बार थका देती हैं, पर नववर्ष हमें फिर से साहस के साथ आगे बढ़ने का आमंत्रण देता है। जो स्वप्न अब तक मौन में सोए थे, वे शब्दों में ढलकर, कर्म के रूप में निखरने को तैयार हैं। संघर्षों की कठोर शिलाओं पर अब हम विश्वास, परिश्रम और धैर्य से अपना नाम लिखेंगे। यह समय रुकने या झुकने का नहीं, बल्कि हर अंधियारी को चुनौती देकर हार को जीत में बदलने का है, क्योंकि वास्तव में यही तो हमारे जीवन की सच्ची तैयारी है। नववर्ष 2026 में सबसे पहला संकल्प स्वयं पर अडिग विश्वास का हो। हमारे भीतर अपार शक्ति छिपी है, जिसे पहचानना और हर दिन निखारना आवश्यक है। जब व्यक्ति स्वयं पर विश्वास करता है, तो परिस्थितियां भी उसका मार्ग देने लगती हैं।

अडिग हों हमारे संकल्प:–

याद रखिए कि इतिहास वही रचते हैं, जो अपने संकल्पों पर अडिग रहते हैं। इस नववर्ष में रिश्तों को प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आधुनिक जीवन में आभासी दुनिया ने हमें स्क्रीन के करीब और अपनों से दूर कर दिया है। मोबाइल और सोशल मीडिया से थोड़ी दूरी बनाकर बुजुर्गों, अभिभावकों, रिश्तेदारों, मित्रों और परिवार के साथ समय बिताना ही सच्चा सुख है। बुजुर्गों का अनुभव, माता–पिता का स्नेह और मित्रों का साथ जीवन को संबल देता है। इसलिए स्क्रीन डिटॉक्स को केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने का संकल्प लें। प्रकृति के सान्निध्य में बिताया गया समय मन और तन दोनों को ही स्वस्थ करता है। खुली हवा में टहलना, पेड़ों, पक्षियों और वनस्पतियों के बीच समय बिताना हमें जीवन के मूल से जोड़ता है। नववर्ष में प्रतिदिन पैदल चलने, प्रकृति का आनंद लेने और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे–छोटे प्रयास करने का संकल्प लें। पशु, पक्षियों और धरती के प्रति करुणा ही मानवता की सच्ची पहचान है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी नववर्ष का महत्वपूर्ण लक्ष्य होना चाहिए। मोबाइल से दूरी बनाकर पर्याप्त नींद लें, संतुलित दिनचर्या अपनाएं और शरीर के संकेतों को समझें। योग, ध्यान और मेडिटेशन केवल अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित रखने के साधन हैं। अध्यात्म हमें भीतर से मजबूत बनाता है और बाहरी तनावों से लड़ने की शक्ति देता है। नववर्ष हमें कुछ नया सीखने और सिखाने की प्रेरणा भी देता है। ज्ञान का आदान–प्रदान समाज को समृद्ध बनाता है। साथ ही धन और समय–दोनों की कीमत समझना आवश्यक है। अनावश्यक तुलना छोड़कर आत्मसंतोषी बनना ही वास्तविक समृद्धि है। संसार में कोई पूर्ण नहीं है; ईश्वर ने सभी को अलग–अलग विशेषताओं के साथ रचा है। इसलिए स्वयं को कमतर आंकने या दूसरों से निरंतर तुलना करने का बोझ त्याग दें। इस नववर्ष में 'ना' कहना सीखना भी उतना ही जरूरी है। हर अपेक्षा को पूरा करने की कोशिश में स्वयं को थका देना बुद्धिमानी नहीं। आत्म–मूल्यांकन करें, अपनी सीमाओं को पहचानें और संयम रखें। कबीर का यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।ध धैर्य और संयम से ही स्थायी सफलता मिलती है। अंततः, नववर्ष 2026 आशा का वह दीप है, जो अंधकार की हर परत को आलोकित कर सकता है।यदि हम संकल्प, कर्म और करुणा का मार्ग चुनें। नई शुरुआत, नई चेतना और नई दृष्टि के साथ आज से बेहतर कल रचने का यही जीवन–संधान है। नववर्ष हमें यही सिखाता है कि जहां आशाएं थककर बैठी थीं, वहीं से उड़ान संभव है–बस विश्वास के पंख फैलाने हों गे। नववर्ष–2026 की मंगलकामनाओं के साथ।

नव वर्ष : बदलती तारीख नहीं, बदलती दृष्टि की ज़रूरत

–डॉ. प्रियंका सौरभ

नव वर्ष आते ही हमारे समाज में एक अजीब–सी हलचल शुरू हो जाती है। कैलेंडर बदलता है, मोबाइल पर शुभकामनाओं की बाढ़ आ जाती है, टीवी चौनलों पर "न्यू ईयर स्पेशल" कार्यक्रम चलने लगते हैं और हम सब एक–दूसरे को यह भरोसा दिलाने में जुट जाते हैं कि "इस साल सब अच्छा होगा।" लेकिन हर साल की तरह यह सवाल फिर वहीं खड़ा रह जाता हैकृक्या सचमुच कुछ नया होता है, या हम सिर्फ तारीख बदलकर पुराने ढर्रे पर ही चलते रहते हैं? भारत जैसे देश में नव वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर होना चाहिए। क्योंकि यहाँ नया साल हर किसी के लिए एक–सा नहीं होता। किसी के लिए यह छुट्टियों, पार्टियों और संकल्पों का समय है, तो किसी के लिए वही पुरानी सुबहकृचार बजे की नींद, अधूरी इच्छाएँ और जिम्मेदारियों का अनवरत सिलसिला। माएँ, कामकाजी स्त्रियाँ, दिहाड़ी मजदूर, किसान, शिक्षक, नर्स, ड्राइवरकृइनके जीवन में नया साल अक्सर सिर्फ़ कैलेंडर की एक और तारीख़ बनकर रह जाता है। नव वर्ष की रात हम जिन रोशनियों, आतिशबाज़ियों और संगीत के बीच जश्न मनाते हैं, उन्हीं रातों में कोई माँ अगले दिन के टिफ़िन की चिंता में जल्दी सो जाती है। कोई मज़दूर अगली सुबह काम मिलेगा या नहीं, इसी उधेड़बुन में करवटें बदलता है। कोई किसान आसमान की ओर देखकर यह हिसाब लगाता है कि यह साल बारिश देगा या कर्ज़। हम अक्सर कहते हैंकृ"नया साल, नई शुरुआत।" लेकिन क्या यह नई शुरुआत सबके लिए संभव है? जब तक समाज की संरचनाएँ वही रहती हैं, सोच वही रहती है, असमानताएँ वही रहती हैं, तब तक नया साल सिर्फ़ एक भावनात्मक भ्रम बनकर रह जाता है। असल में बदलाव तब आता है जब उत्सव के शोर के बीच हम उन आवाज़ों को भी सुनने लगें जो अक्सर दबा दी जाती हैं। नव वर्ष का वास्तविक अर्थ तभी बनता है जब हम यह स्वीकार करें कि हर व्यक्ति का जीवन एक–सा नहीं है और समान अवसर बिना समान दृष्टि के संभव नहीं। नव वर्ष पर सबसे ज़्यादा शुभकामनाएँ स्त्रियों के नाम लिखी जाती हैं। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में मुस्कराती रहें, सब कुछ सँभाल लें और कभी शिकायत न करें। लेकिन शायद ही कोई उनसे यह पूछता है कि वे थकी हैं या नहीं, उन्हें भी रुकने की ज़रूरत है या नहीं। कामकाजी स्त्री का नया साल अक्सर पुराने संघर्षों के साथ शुरू होता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह घर भी सँभाले, नौकरी भी करे, भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखे और इन सबके बीच खुद को भूल जाए। समाज उसकी सहनशीलता को उसकी ताक़त कहकर महिमामंडित करता है, लेकिन उस सहनशीलता के पीछे छिपी थकान को देखने से बचता है। अगर यह नव वर्ष सच में नया होना है, तो सबसे पहले हमें स्त्री को त्याग की मूर्ति नहीं, बराबरी का नागरिक मानना होगा। उसे यह अधिकार देना होगा कि वह थके, बोले, असहमत हो और अपने लिए भी समय माँगे। नव वर्ष केवल व्यक्तिगत संकल्पों का विषय नहीं है, यह सामूहिक जिम्मेदारी का भी समय है। हम अक्सर अपने लिए संकल्प लेते हैंकृज़्यादा मेहनत करने का, ज़्यादा कमाने का, बेहतर जीवन जीने का। लेकिन समाज के लिए संकल्प बहुत कम लेते हैं। क्या हम यह तय कर सकते हैं कि घर के काम को "मदद" नहीं, "जिम्मेदारी" मानेंगे? क्या हम यह सोच सकते हैं कि बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, संवेदना भी सिखाएँगे? क्या हम यह स्वीकार करेंगे कि हर इंसान की गति एक–सी नहीं होती? परिवार ही समाज की पहली पाठशाला है। अगर घर में बराबरी नहीं होगी, तो समाज में कैसे होगी? अगर घर में स्त्री की थकान को सामान्य मान लिया जाएगा, तो बाहर उसके अधिकारों की बात खोखली लगेगी। नव वर्ष पर अगर कोई सच्चा संकल्प लिया जाना चाहिए, तो वह यही है कि हम अपने घरों से बदलाव की शुरुआत करें। युवा पीढ़ी के लिए नव वर्ष सपनों और उम्मीदों का प्रतीक होता है। नए लक्ष्य, नई योजनाएँ और नई उड़ान। लेकिन आज का युवा भी कई दबावों में घिरा हैकृप्रतियोगिता, बेरोज़गारी, सामाजिक तुलना और डिजिटल दुनिया का मानसिक बोझ। हर नव वर्ष पर उससे कहा जाता है कि वह कुछ बड़ा करे, कुछ साबित करे। लेकिन शायद ही कोई यह कहता है कि अगर वह थक जाए तो रुकना भी ठीक है, अगर वह असफल हो जाए तो उसका जीवन समाप्त नहीं हो जाता। यह नव वर्ष युवाओं को यह भरोसा दे कि उनका मूल्य केवल उनकी उपलब्धियों से नहीं आँका जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और संतुलन भी उतने ही ज़रूरी हैं जितनी सफलता। समाज को यह समझना होगा कि हर युवा मशीन नहीं है, बल्कि एक संवेदनशील इंसान है। नव वर्ष पर सरकारें, संस्थाएँ और मीडिया विकास की नई योजनाओं की घोषणाएँ करते हैं। सड़कें, इमारतें, आँकड़े और लक्ष्यकृ सब कुछ विकास के नाम पर गिनाया जाता है। लेकिन विकास का अर्थ केवल भौतिक उन्नति नहीं हो सकता। असली विकास तब होता है जब समाज का आखिरी व्यक्ति भी यह महसूस करे कि वह अकेला नहीं है, उसकी पीड़ा मायने रखती है। जब तक संवेदना विकास की भाषा का हिस्सा नहीं बनेगी, तब तक नया साल केवल नई योजनाओं की सूची बनकर रह जाएगा। हमें यह सोचने की ज़रूरत है कि क्या विकास की दौड़ में हम इंसान होना तो नहीं भूल रहे। क्या लाभ और मुनाफ़े से आगे भी कुछ है जिसे बचाए रखना ज़रूरी है? नव वर्ष का सबसे बड़ा अर्थ आत्ममंथन है। खुद से सवाल करने का साहस कि हम कहाँ चूके, किसके साथ अन्याय के गवाह बने और चुप रहे। यह आत्ममंथन व्यक्तिगत भी होना चाहिए और सामाजिक भी। क्योंकि जब तक हम अपनी भूमिका नहीं पहचानेंगे, तब तक किसी बदलाव की उम्मीद करना व्यर्थ है। नया साल कैसा होकृयह तय करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। अगर यह साल केवल शुभकामनाओं तक सीमित रह गया, तो यह भी बाकी सालों जैसा ही होगा। लेकिन अगर यह हमें थोड़ा ज़्यादा मानवीय, थोड़ा ज़्यादा जिम्मेदार और थोड़ा ज़्यादा न्यायपूर्ण बना सके, तो यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। नव वर्ष कोई जादुई रेखा नहीं खींचता जो सब कुछ बदल दे। बदलाव हमसे आता है–हमारी सोच से, हमारे व्यवहार से और हमारे छोटे–छोटे निर्णयों से। अगर यह नव वर्ष हमें दूसरों की पीड़ा देखने, समझने और उसके प्रति संवेदनशील होने का अवसर दे सके, तो यही इसका वास्तविक उत्सव होगा। क्योंकि नया साल तभी नया होता है,

जहरीली मिट्टीः सिर्फ फसलों का नहीं, नस्लें बचाने का मसला

–डा. अमृत सागर मित्तल

'पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत'–गुरु नानक देव जी के ये कालजयी शब्द हमें प्रकृति के महत्व से जोड़ते हैं। हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् भी भारत को बहती नदियों और हरी–भरी फसलों से लहलहाते खेतों के देश के रूप में नमन के लिए प्रेरित करता है। विडंबना यह है कि जब देश वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, तो वहीं दूसरी ओर हमारे पैरों तले जमीन एक बेहद भयावह कहानी बयां कर रही है। जो मिट्टी कभी देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि की आधारशिला थी, वह आज थकी है, खुराक के नाम पर खतरनाक रसायनिक खाद की बेतहाशा खपत से धरती का सीना छलनी है। यह सच्चाई भारत की पहली हरित क्रांति के केंद्र रहे पंजाब में साफ दिखाई देती है। सड़कों, गगनचुंबी इमारतों, कारखानों और रोजगार की दौड़ एक हद तक जरूरी है, पर इस दौड़ की होड़ में हम एक बुनियादी सच भूल गए। प्रदूषित गैस चौंबर से ढका नील–गगन, जहरीला जल–थल फसलों, इंसानों, पशु–पक्षियों व सूक्ष्म जीवों के जीवन से खिलवाड़ है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण अब चेतावनियां नहीं, बल्कि जहरीले भूजल, गिरती कृषि उत्पादकता और बढ़ते रोगों के रूप में हमारी रोजमर्रा की सच्चाई बन चुके हैं। स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार आज हमारी ही नीतिगत सुस्ती की परीक्षा ले रहा है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की रिपोर्ट का निष्कर्ष बेहद चिंताजनक हैं। पंजाब देश के सबसे अधिक प्रभावित राज्य के तौर पर सामने आया है। मानसून के बाद लिए गए पानी के नमूनों में से 62. 5 प्रतिशत में यूरेनियम की मात्रा निर्धारित सीमा 30 पी.पी.बी. (पार्ट्स प्रति बिलियन) से अधिक पाई गई, जबकि 2024 में 32.6 प्रतिशत नमूनों में यूरेनियम की मात्रा अधिक थी। एक ही वर्ष में जहरीले पानी के नमूनों में 91.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी चौंकाने वाली है। 23 में से 16 जिले प्रदूषित श्रेणी में हैं, संगरूर और बठिंडा के जल में यूरेनियम का स्तर 200 पी. पी.बी. से भी अधिक दर्ज किया गया। यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जन–स्वास्थ्य आपातकाल है। यूरेनियम किडनी रोग और कैंसर से जुड़ा है। नाइट्रेट और फ्लोराइड की अधिकता से 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' और हड्डियों की बीमारियां बढ़ने का खतरा है। पानी का खारापन और सोडियम कार्बोनेट उपजाऊ जमीन को बंजर बना रहे हैं। रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल एक बड़े संकट का संकेत है। पंजाब में फर्टलाइजर्स की खपत 247.61 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर, राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है। कीटनाशकों की 77 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर खपत से पंजाब के किसान देश के सबसे बड़े खपतकारों में शामिल हैं। जो रसायनिक खादें कभी भरपूर पैदावार लाती थीं, आज मिट्टी की जैविक कार्बन घटा रही हैं, सूक्ष्मजीवों को नष्ट कर रही हैं, खाद्य शृंखला को प्रदूषित कर रही हैं। फर्टलाइजर्स सबसिडी का बोझ 2 लाख करोड़ रुपए सालाना से अधिक है। जहरीले हवा–पानी के बीच विकसित भारत की नींव बीमार मिट्टी पर नहीं टिक सकती।

नए साल का सूर्योदय

पल–पल खेल निराले हो,
आँखों में सपने पाले हो।
नए साल का सूर्योदय यह,
खुशियों के लिए उजाले हो।
मानवता का संदेश फैलाते,
मस्जिद और शिवाले हो।
नीर प्रेम का भरा हो सब में,
ऐसे सब के प्याले हो।
होली जैसे रंग हो बिखरे,
दीपों की बारात सजी हो,
अंधियारे का नाम न हो,
सबके पास उजाले हो।
हो श्रद्धा और विश्वास सभी में,
नैतिक मूल्य पाले हो।
संस्कृति का करे सब पूजन,
संस्कारों के रखवाले हो।
चौराहें न लुटे अस्मत,
दुरूशासन न फिर बढ़ पाए,
भूख, गरीबी, आतंक मिटे,
न देश में धंधे काले हो।
सच्चाई को मिले आज़ादी,
लगे झूठ पर ताले हो।
तन को कपड़ा, सिर को साया,
सबके पास निवाले हो।
दर्द किसी को छू न पाए,
न किसी आँख से आँसू आए,
झोंपड़ियों के आँगन में भी,
खुशियों की फैली डाले हो।
'जिए और जीने दे' सब,
न चलते बरछी–भाले हो।
हर दिल में हो भाईचारा,
नाग न पलते काले हो।
नगमों–सा हो जाए जीवन,
फूलों से भर जाए आँगन,
सुख ही सुख मिले सभी को,
एक दूजे को संभाले हो।

–डॉ. प्रियंका सौरभ

सनातन का लौटा वैभव, युवाओं में बढ़ा काशी, मथुरा और अयोध्या का क्रेज

नए साल पर युवाओं में धार्मिक पर्यटन का बढ़ा रुझान
सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी से बढ़ी पर्यटकों की संख्या
मंदिरों और तीर्थस्थलों के पुनरुध्दार से बढ़ा पर्यटन

संवाददाता

लखनऊ। नए साल का जश्न मनाने के लिए जहां युवा पहले पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर डिस्को, होटल, रेस्टोरेंट और हिल स्टेशनों का रुख करता था, इस साल इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है, उसका ही परिणाम है कि युवा लाखों की संख्या में काशी, मथुरा–वृंदावन और अयोध्या में नए साल की शुरूआत अपने इष्ट का दर्शन–पूजन से कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश से उठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की वो लहर है, जिसमें न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के युवा, लड़के–लड़कियां नए जोश और उत्साह के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार इस वर्ष नए साल से कई दिन पहले से ही प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा–वृंदावन और प्रयागराज में लाखों की संख्या में युवा पर्यटक पहुंच रहे हैं। 29–30 दिसंबर को ही अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करने 5 लाख से

अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं, जबकि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में पिछले तीन दिनों में 10 लाख और मथुरा में 3 लाख से अधिक पर्यटकों ने दर्शन पूजन किया। युवा पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक है। श्रद्धालुओं की आमद को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं।युवा नए साल के जश्न में इन धर्म स्थलों पर दर्शन पूजन कर, दोस्तों और परिवारजनों के साथ सेल्फी अपलोड कर रहे हैं। यह रुझान पिछले वर्ष प्रयागराज में महाकुंभ में भी देखने को मिला था, जिसमें न केवल देश बल्कि विश्व के कोने–कोने से श्रद्धालु और पर्यटकों ने आकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक पुनरुत्थान हुआ है, उसने युवाओं के मन में आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अलख जगाई है। काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र का कहना है, सनातन संस्कृति उत्सव, उत्साह एवं उल्लास की आश्रयस्थली है। विश्व के समस्त उत्सव सनातन मान्यता में उत्कर्ष प्राप्त करते हैं। लोक उत्सव प्रायः तात्कालिक सत्ता के आचरण को प्रतिबिंबित करता है। स्वाभाविक है कि वर्तमान काल में प्रत्येक पर्व पर चाहे वह भारतीय हो अथवा पश्चिम का पर्व, सनातन आस्था के केंद्रों पर श्रद्धालुओं का प्रवाह अभूतपूर्व है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से जिस तरह से अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण और मथुरा–वृंदावन, तीर्थराज प्रयागराज, विंध्याचल, नैमिषारण्य, संभल, मुजफ्फरनगर में शुक्रतीर्थ शुक्रताल के साथ प्रदेश के पुरातन मंदिरों का जीर्णोद्धार हुआ है, इससे विशेष तौर पर युवाओं में सनातन संस्कृति और अपनी परंपराओं के प्रति नई को ऊर्जा का संचार हुआ। यह स्थान पहले की सरकारों में उपेक्षा का शिकार थे। प्रमुख तीर्थों और धार्मिक स्थलों तक सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के साथ वहां रुकने ठहरने, होटल और रेस्टोरेंट गतिविधियों का विकास हुआ है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से दिव्य–भव्य उत्सवों का आयोजन किया जाता है, उसने प्रदेश के युवाओं में सनातन संस्कृति के तीर्थों और धर्म स्थलों के प्रति आकर्षण बढ़ाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से पर्यटन बढ़ा है। युवाओं को सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिला है।

एक करोड़ की मार्फिन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, 990 ग्राम मार्फिन बरामद

संवाददाता

लखनऊ। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) लखनऊ ने साल के आखिरी दिन बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपए की मार्फिन बरामद की है। यह कार्रवाई थाना नगराम क्षेत्र में हुई है। एएनटीएफ टीम ने थाना नगराम क्षेत्र में घुड़सारा पुलिया (बड़ी नहर) के पास दबिश दी। मौके से कुलदीप सिंह और अंकुश यादव को गिरफ्तार किया गया। दोनों रायबरेली जिले के निवासी हैं और लंबे समय से मार्फिन की अवैध खरीद–फरोख्त में सक्रिय थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 990 ग्राम मार्फिन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। एक दोपहिया वाहन, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 250 रुपए नकद बरामद

हुए हैं। इस संबंध में थाना नगराम में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। दोनों अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि वे अधिक पैसे कमाने के लालच में मार्फिन की तस्करी करने लगे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि वे नशीले पदार्थ की खरीद–फरोख्त कर मोटा मुनाफा कमाते थे और इसी सिलसिले में ग्राहक तलाशते हुए लखनऊ पहुंचे थे, तभी एएनटीएफ टीम के हत्थे चढ़ गए।

फुफेरे भाई ने रेप किया तो छात्रा ने जान दी, सुसाइड नोट में लिखा–कड़ी सजा मिले

संवाददाता

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में बीए प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने छात्रा के फुफेरे भाई पर रेप का आरोप लगाया है। सोमवार को बलरामपुर अस्पताल में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। मृतका मूल रूप से हरदोई जिले की निवासी थी और अपने परिवार के साथ लखनऊ के पारा इलाके में रहती थी। छात्रा के पिता सब्जी बेचते हैं। परिजनों के अनुसार, 15 दिसंबर को छात्रा के मां–बाप और दो भाई गांव गए थे। वह अपनी नानी के साथ घर पर थी। छात्रा के घर में पिछले 6 साल से उसका फुफेरा भाई भी रहता है। वह ई–रिक्शा चलाता है। आरोप है कि 18 दिसंबर को फुफेरे भाई ने छात्रा के साथ रेप किया। 25 दिसंबर की शाम छात्रा ने गांव में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर

उसे पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया था। छात्रा की मौत के बाद परिजनों को उसके मोबाइल फोन में सुसाइड नोट की तस्वीर मिली। एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। सुसाइड नोट में छात्रा ने फुफेरे भाई पर रेप का आरोप लगाया है। उसने लिखा है कि विरोध करने पर आरोपी ने पिता की हत्या की धमकी दी। छात्रा ने अपनी मौत के लिए मां–बाप या परिवार को जिम्मेदार नहीं ठहराया। फुफेरे भाई को जिम्मेदार बताते हुए उसे सख्त सजा देने की मांग की है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। परिजनों द्वारा संपर्क करने पर उसका मोबाइल फोन बंद मिला। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त

राजधानी में नए साल 2026 का जश्न, हजरतगंज में यूथ ने किया सेलिब्रेट

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ राजधानी में बुधवार को नए साल का जश्न शुरू हो गया। होटलों में लाइव म्यूजिक, लाइव कॉन्सर्ट में लोग देर रात तक थिरक नजर आये। होटल–रिजार्ट में छोटे बच्चों के लिए खाने–खेलने के लिए स्पेशल व्यवस्था की गई। बड़ों के साथ डांस करने के लिए विदेशी कलाकार भी राजधानी आए। साल के आखिरी दिन सुबह से ही लोग मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचे। इस्कॉन मंदिर में दोपहर से पूजा–पाठ शुरू हो गया जो रात बारह बजे तक चला। हनुमान सेतु मंदिर दर्शन के लिए शाम सात बजे से 12 बजे तक खुला रहा जंहा देर रात तक भक्तों की कतार लगी रही। न्यू ईयर सेलिब्रेशन का जश्न हजरतगंज में शाम पांच बजे से ही कैथीड्रल चर्च के आस–पास लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई रात 12 बजते ही लोग एक दूसरे को बधाई देते नजर आयी।

राजधानी में नशे के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, निकाला मार्च

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को 2 हजार लोगों ने नशे का विरोध किया। शहीद स्मारक से हजरतगंज गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर की अगुवाई में मार्च निकाला गया। नशा मुक्ति यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। नशमुक्त युवा फार विकसित भारतश के तहत नशा के प्रति समाज को जागरूक किया। नशा नाश कि जड़ है, युवाओं नशे से दूर रहो नारा लगाया कौशल किशोर ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी तेजी से नशे के चपेट में आ रही है। अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत हिंदुस्तान में विभिन्न प्रकार के ड्रग्स और नशीले पदार्थ की स्मगलिंग की जा रही है। नशे के कारण बड़ी संख्या में युवक और युक्तियां मौत के मुंह में जा रही है। जो ताकते हमारी सेना से नहीं लड़ पा रही है वो नशे का सहारा लेकर युवाओं को बर्बाद कर रही है 2020 में शराब के कारण मेरे बेटे की मौत हुई। इसके बाद हम लोग राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। कौशल किशोर ने कहा कि पीएम मोदी ने यह घोषणा किया है कि वर्ष 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत के साथ हम लोग नशा मुक्त भारत का बनाएं। पीएम मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लगातार काम कर रहे हैं। नए वर्ष के आगमन पर नशा का व्यापार तेजी से सफलता–फूलता है। युवा पीढ़ी को लालच देकर न्यू ईयर की पार्टी में नशे के मुंह में धकेला जाता है। हमारा प्रयास है कि इस बार किसी भी युवक को इस दलदल में न जाने दे और सबको नशा मुक्ति से जोड़ें। कौशल किशोर ने कहा कि नए साल पर बार और लॉन्ज न जाए। नई सुबह कि शुरुआत धार्मिक स्थलों पर जाएं मंदिर जाएँ, गुरुद्वारा जाएं ,मस्जिद जाएं नए साल की शुरुआत अच्छे काम से होनी चाहिए।

लुलु मॉल लखनऊ द्वारा आयकर मामले पर स्पष्टीकरण

संवाददाता

लखनऊ। लुलु मॉल लखनऊ और लुलु हाइपरमार्केट उत्तर प्रदेश और लखनऊ के लोगों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जिनके जबरदस्त समर्थन ने मॉल को इस क्षेत्र में एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है। लुलु ने राज्य में महत्वपूर्ण दीर्घकालिक निवेश किया है, जिसे मुख्य रूप से बैंक वित्तपोषण के माध्यम से वित्तपोषित किया गया है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में इसके विश्वास और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हाल ही में आयकर विभाग द्वारा बैंक खातों को फ्रीज किए जाने संबंधी खबरों के संदर्भ में, लुलु स्पष्ट करता है कि वह एक पूर्णतः नियमों का पालन करने वाला संगठन है और उसने लागू कानूनों के अनुसार सभी वैधानिक नोटिसों का विधिवत उत्तर दिया है। एक पूर्णतः अनुचित आयकर मांग को माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिस पर दिनांक 22 अप्रैल 2025 के आदेश द्वारा यह निर्देश दिया गया कि मामले का निस्तारण होने तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। अपील एवं स्थगन (स्टे) आवेदन वर्तमान में आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं और मामला वर्तमान में सुलझ गया है। लुलु सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले आधारहीन आरोपों का पुरजोर खंडन करता है और विश्व स्तरीय रिटेल अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित रखता है।

राजधानी के मंदिरों में नए साल को लेकर विशेष तैयारी, तड़के से खुल जाएगा कपाट

संवाददाता

लखनऊ। न्यू ईयर 2026 के स्वागत को लेकर राजधानी लखनऊ के मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जहां एक ओर लोग जश्न और पार्टी की प्लानिंग में जुटे हैं, वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु नए साल की पहली सुबह भगवान के दर्शन और आशीर्वाद के साथ शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। 1 जनवरी को मंदिरों में दर्शन करना आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी को देखते हुए लखनऊ के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना, दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिर समितियों का कहना है कि 1 जनवरी को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसके लिए प्रशासन और स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। न्यू ईयर 2026 के मौके पर हनुमान सेतु मंदिर, श्री श्याम मंदिर, हनुमत धाम मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, चौक स्थित बड़ी

काली मंदिर और अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। इन मंदिरों में दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कतार प्रणाली, सुरक्षा जांच और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री श्याम मंदिर समिति के पदाधिकारी पंकज मिश्रा ने बताया कि नववर्ष पर भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। गर्भगृह से दर्शन बंद कर दिए गए हैं। अब श्रद्धालु बाहर से दर्शन करेंगे।श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बैरिकेडिंग और ब्लॉक सिस्टम लागू किया गया है। दर्शन के लिए दाहिनी और बाईं ओर दो अलग–अलग लाइनें बनाई गई हैं। प्रत्येक लाइन में एक समय में पांच श्रद्धालु चल सकेंगे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु गोमती रिवरफ्रंट की ओर से बाहर निकलेंगे। पार्किंग की व्यवस्था दो स्थानों पर की गई है। एक उत्तराखंड महोत्सव मेला स्थल पर और दूसरी मंदिर परिसर के बाहर रिवरफ्रंट की ओर। मंदिर परिसर की पार्किंग केवल जूते–चप्पल के लिए आरक्षित रहेगी। दर्शन मार्ग में जूते–चप्पल उतारने की कोई व्यवस्था नहीं होगी।

संक्षिप्त

सीएम का फेक बयान एक्स पर पोस्ट किया, दर्ज हुई एफआईआर

संवाददाता

लखनऊ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। बनारसी बाग नरही निवासी राजकुमार तिवारी की तहरीर पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि केआरके एक्स हैंडल के जरिए मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है। हजरतगंज कोतवाली में दर्ज एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता राजकुमार तिवारी पुत्र मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि उन्होंने अपने मोहल्ले में किसी व्यक्ति के मोबाइल पर एक पोस्ट देखी। यह पोस्ट एक्स हैंडल (केआरके) से की गई थी, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर आपत्तिजनक और भ्रामक टिप्पणी की गई थी। तहरीर में उल्लेख किया गया है कि पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो लगाकर एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के नाम से जुड़ा स्क्रीनशॉट साझा किया गया। इसमें यह दर्शाने का प्रयास किया गया कि मुस्लिम, दलित और यादव वोट न मिलने के बावजूद सरकार बनाई जा सकती है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह स्क्रीनशॉट झूठा और फर्जी है, जिसे जानबूझकर एक गलत नरेटिव गढ़ने के लिए प्रसारित किया गया।

तापमान में गिरावट से कीट रोग की संभावना बढ़ी–महेश

संवाददाता

लखनऊ। तापमान में गिरावट एवं आर्द्रता वृद्धि के कारण रबी फसलों में लगने वाले सामयिक कीट रोग के प्रकोप की सम्भावना बढ़ गयी है, जिसके द्रष्टिगत बचाव एवं प्रबन्धन हेतु कृषकों के मध्य व्यापक प्रचार–प्रसार कर जागरूक की आवश्यकता है।जिला कृषि रक्षा अधिकारी लखनऊ महेश चन्द्र ने बताया कि गेहूँ की फसल में चौड़ी एवं सँकरी पत्ती वाले खरपतवारों जैसे गुल्ली डण्डा, जंगली जई, चटरी–मटरी, बंथुआ एवं हिरनखुरी आदि की समस्या देखी जाती है। 'सँकरी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरान 75 प्रतिशत डब्ल्यू पी की 33 ग्राम 2.5 यूनिट अथवा क्लोडिनोफॉप प्रोपारजिल 15 प्रतिशत डब्ल्यू पी की 400 ग्राम मात्रा को 300–400 ली पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रथम सिंचाई के बाद 25–30 दिन की अवस्था पर छिड़काव करें। खड़ी फसल में दीमक, गुजिया के नियंत्रण हेतु क्लोरपाइरीफॉस 20 प्रतिशत ईसी 2.5 लीटर प्रति हेक्टेअर की दर से सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करना चाहिए। माहू कीट के जैविक नियंत्रण हेतु एजाडिरेक्टिन 0.15 ईसी 2.5 लीटर प्रति हेक्टेअर की दर से 500–600 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए। रासायनिक नियंत्रण हेतु डाईमैथोऐट 30 प्रतिशत ईसी अथवा थायोमेथॉक्साम 25 प्रतिशत डब्लूजी लगभग 750 ली पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए। पीली गेरूई नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ईसी 500 मिली प्रति हेक्टेअर की दर से लगभग 600–700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सरसों, तोरिया में आरा मक्खी, बालदार सूड़ी रोग के लिए डाईमैथोएट 30 प्रतिशत ईसी 1 ली0 मात्रा अथवा क्यूनालफास 25 प्रतिशत ईसी की 1.25 लीटर मात्रा को 500–600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हे. की दर से छिड़काव करना चाहिए। लीफ माइनर एवं माहू जैविक नियंत्रण हेतु एजाडिरेक्टिन नीम आयल 0.15 प्रतिशत ईसी 2.5 लीटर प्रति हेक्टेअर की दर से प्रयोग किया जा सकता है। रासायनिक नियंत्रण हेतु ऑक्सीडिमेटॉन–मिथाइल 25 प्रतिशत ईसी अथवा क्लोरपाइरीफास 20 प्रतिशत ईसी की 1 लीटर अथवा डाईमैथोएट 30 प्रतिशत ईसी 1 लीटर मात्रा को प्रति हेक्टेअर की दर से 600–700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 'अल्टरनेरिया पत्ती धब्ब इस रोग के नियंत्रण हेतु मैन्कोजेब 75 प्रतिशत डब्लूपी अथवा जिनेब 75 प्रतिशत की 2.0 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टेअर की दर से 600–750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग रोग के नियंत्रण हेतु मैन्कोजेब 75 प्रतिशत डब्लूपी अथवा जिनेब 75 प्रतिशत की 2.0 किग्रा अथवा कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की 3.0 किग्रा0 मात्रा प्रति हेक्टेअर की दर से 600–750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

घर से बुलाकर की थी युवक की हत्या, 3 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में अलमास सिद्दीकी उर्फ अज्जू की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आज, बुधवार दोपहर 2 बजे डीसीपी साउथ कार्यालय में पुलिस इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक अलमास की ममेरी बहन को गांव का रमजान काफी समय से परेशान कर रहा था। इस बात की जानकारी ममेरी बहन ने अलमास को दी। करीब 20 दिन पहले अलमास ने रमजान की पिटाई कर दी। इसी घटना को लेकर रमजान उससे रंजिश रखने लगा और उसकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि इसी बात को लेकर रमजान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अलमास को घर से बुलाया और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया, ताकि मामला दुर्घटना लगे। आरोपियों ने मृतक का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया, जिसकी बरामदगी के लिए पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है। मृतक के पिता रवी मोहम्मद निवासी मऊ थाना मोहनलालगंज ने पुलिस को दी गई तहरीर में स्पष्ट आरोप लगाते हुए कहा था कि उनका बेटा सोमवार शाम करीब 7.30 बजे घर से निकला था, जिसके

बाद वापस नहीं लौटा।
मंगलवार को उसका शव मऊ बड़ी नहर के किनारे खेत में पड़ा मिला। गांव के लोगों ने बताया था कि आखिरी बार अलमास को रमजान और उसके साथियों के साथ देखा गया था। परिजनों ने युवक रमजान व उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए देर शाम हत्या का मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। पूछताछ में आरोपियों ने बदले की भावना से वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। उन्होंने बताया कि यूकेलिप्टस के डंडे से पीट–पीटकर अलमास की हत्या की थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की निशानदेही पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे घटनाक्रम, गिरफ्तारी और बरामदगी से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

एनबीएफजीआर में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता हर किसी का काम–काजल चक्रवर्ती

संवाददाता

लखनऊ। आईसीएआर–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो एनबीएफजीआर लखनऊ में 16 से 31 दिसंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया है जिसकी अवधारणा केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को संबंधित गतिविधियों में शामिल करके स्वच्छता को सभी के लिए एक अभ्यास बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित है। पखवाड़े के दौरान, नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय को प्रतिदिन स्वच्छता गतिविधियों की रिपोर्टिंग की गई। संस्थान में आयोजित की गई कुछ गतिविधियों में स्वच्छता प्रतिज्ञा, स्वच्छता दौड़, स्वच्छता–वॉक, स्वच्छता–रैली, पुराने अभिलेखों की समीक्षा और छंटाई, एकल उपयोग प्लास्टिक को हटाने वाला स्वच्छता अभियान, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण, श्रमदान गतिविधि, सामुदायिक भागीदारी कार्य, किसान दिवस समारोह, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, खेल गतिविधियां, स्वच्छता पर हस्ताक्षर अभियान और मेहमानों द्वारा गंगा एक्वेरियम तथा राष्ट्रीय मत्स्य संग्रहालय का दौरा आदि शामिल हैं। कार्यक्रम की योजना और पर्यवेक्षण निदेशक डॉ. काजल चक्रवर्ती ने किया, जिन्होंने कहा कि स्वच्छता हर किसी का काम है।
पूरे परिसर और आसपास के क्षेत्र में प्रतिबिंबित होना चाहिए क्योंकि यह कार्यालय परिसर व आस पास के समुदाय में रहने वाले व्यक्तियों के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के एसडीजी लक्ष्य–3 को पूरा करने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवींद्र कुमार, डॉ. अचल सिंह, डॉ. रजनी चंद्रन, डॉ. राघवेंद्र सिंह, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. अखिलेश मिश्रा, विजय कुमार, देव नारायण, बीएन पाठक, केके सिंह, अभिषेक कुमार, रंजन सिंह, अंशुल वर्मा और सैय्यद कविश ने किया।

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम : ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

बीएनई

रायपुर। केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई (CPU) ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य– वर्धन (value addition) के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है। प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार प्रसंस्करण इकाई क्रमांक– 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफपी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। 20 हजार मीट्रिक टन क्षमता का केंद्रीय वेयरहाउस इकाई क्रमांक– 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है। पीपीपी मॉडल पर हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट यूनिट की स्थापना जामगांव एम में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार,

अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। ग्रामीणों और संग्राहकों को स्थायी लाभ हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ–साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

मधुमक्खी पालन बनीं रोज़गार की कुंजी

अतिरिक्त आय का सशक्त माध्यम बना मधुमक्खी पालन

शहद ने घोले उदय राम के जीवन में मिठास

बीएनई

रायपुर। किसानों की आय बढ़ाने एवं ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किसानों को खेती के साथ मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल किसानों के लिए कम लागत में अधिक लाभ देने वाला वैकल्पिक व्यवसाय बनकर उभरी है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित लाभकारी व्यवसाय है, जिसमें शहद, मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे बहुमूल्य उत्पाद प्राप्त होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बलरामपुर के द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन अपनाने हेतु किसानों को निरंतर प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान की जा रही है। प्रगतिशील किसान उदय राम बने प्रेरणास्रोत मधुमक्खी पालन गांव स्तर पर रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बना बलरामपुर जिला के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम मंगरहारा निवासी कृषक उदय राम ने कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर खेती के साथ मधुमक्खी पालन को अपनाया। प्रारंभ में उन्होंने मात्र 2 मधुमक्खी बक्सों से इस व्यवसाय की शुरुआत की थी, जो आज 20 बक्सों तक पहुँच चुका है। उदय राम की सफलता से प्रेरित होकर ग्राम मंगरहारा के 10 से अधिक परिवारों ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय प्रारंभ किया है और अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। इस प्रकार मधुमक्खी पालन गांव स्तर पर रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उदय राम शहद बेचकर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये कर रहे हैं आय अर्जित उदय राम वर्तमान में प्रतिवर्ष 400 से 500 किलोग्राम से अधिक गुणवत्तायुक्त शहद का उत्पादन कर रहे हैं। बाजार में उनके शहद की कीमत 500 प्रति किलोग्राम तक मिल रही है। शहद के साथ–साथ मोम, रॉयल जेली एवं प्रोपोलिस जैसे उत्पाद भी उन्हें प्राप्त हो रहे हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। श्री उदय राम शहद बेचकर सालाना 2 से 2.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं। मधुमक्खी पालन बक्से पर दी जा रही सब्सिडी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार बलरामपुर–रामानुजगंज जिले की जलवायु एवं पर्यावरण मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत अनुकूल है। लघु, सीमांत एवं भूमिहीन किसान भी इस व्यवसाय को बिना अतिरिक्त भूमि के प्रारंभ कर सकते हैं। 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों से भी यह कार्य सफलतापूर्वक किया जा सकता है। कम श्रम और सरल प्रक्रिया के कारण महिला और बेरोजगार युवा भी मधुमक्खी पालन को आसानी से अपना सकते हैं। शासन द्वारा मधुमक्खी बक्से पर दी जा रही सब्सिडी इस व्यवसाय को और सुलभ बना रही है।

दिसम्बर माह में एनसीएल से सेवानिवृत्त हुए 63 कर्मीयों के सम्मान में आयोजित हुए अभिनंदन समारोह

बीएनई

सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) से दिसम्बर माह के आखिरी दिन कुल 63 अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इनमें से एनसीएल मुख्यालय से 01 कर्मी का सेवानिवृत्त होना शामिल है। कर्मियों के सम्मान में इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे रमेश बाल्मीकी, कक्ष सहायक, केन्द्रीय चिकित्सालय का अभिनंदन किया गया। एनएसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार, निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी / संचालन) सुनील प्रसाद सिंह, निदेशक (तकनीकी/ परियोजना एवं योजना) आशुतोष द्विवेदी, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को एनसीएल की प्रगति में उनके

महत्वपूर्ण योगदान के लिए धन्यवाद दिया तथा उनके उज्ज्वल, सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। समारोह के अंत में सेवानिवृत्त कर्मियों को सेवानिवृत्ति से संबंधित उपादेय भेंट प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में भी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए।

संक्षिप्त

नए साल से पहले फूड डिलीवरी प्रभावित, जानिए गिग वर्कर्स की हड़ताल का किन पर असर?

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल के जश्न पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म्स के गिग वर्कर्स ने आज यानी 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का एलान कर रखा है। अगर आप न्यू ईयर पार्टी के लिए ऑनलाइन खाना या जरूरी सामान मंगाने की सोच रहे हैं, तो आपको निराशा हाथ लग सकती है। क्रिसमस पर हुई सांकेतिक हड़ताल के बाद, अब वर्कर्स यूनियनों ने अपनी मांगों को लेकर आर–पार की लड़ाई का मन बना लिया है, जिससे साल के सबसे व्यस्त दिन डिलीवरी सेवाएं पूरी तरह ठप होने की आशंका है। इस हड़ताल की मुख्य वजह क्विक कॉमर्स कंपनियों का 10–मिनट डिलीवरी मॉडल है, जिसे वर्कर्स जानलेवा और असुरक्षित बता रहे हैं।

इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप–बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) ने सरकार को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। इसमें डिलीवरी पार्टनर्स के लिए 24,000 रुपये की मासिक न्यूनतम आय, राइड–हेलिंग ड्राइवरों के लिए 20 रुपये प्रति किलोमीटर का रेट और उन्हें पार्टनर के बजाय कानूनन वर्कर का दर्जा देने की मांग प्रमुख है, ताकि वे श्रम कानूनों के दायरे में आ सकें। यूनियनों ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। वर्कर्स का आरोप है कि कंपनियां मुनाफे के

लिए उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही हैं। उनकी मांगों में स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा, काम के घंटों को आठ घंटे तक सीमित करना और बिना किसी ठोस कारण के आईडी ब्लॉक करने की मनमानी पर रोक लगाना शामिल है। वे एल्गोरिद्म में पारदर्शिता और कमीशन कटौती पर अधिकतम 20: की सीमा भी चाहते हैं। यह हड़ताल भारत की गिग इकोनॉमी के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकती है। 31 दिसंबर का दिन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनियों के लिए साल का सबसे बड़ा कारोबारी दिन होता है, ऐसे में हड़ताल से उन्हें करोड़ों का नुकसान हो सकता है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत बना चमकता सितारा, 2025 में घरेलू ताकत ने रची विकास की कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सुस्ती और अनिश्चितता का वर्ष रहा, लेकिन भारत इस परिदृश्य में एक अपवाद के रूप में उभरा। अमेरिका एवं यूरोप में ऊंची ब्याज दरें, कमजोर उपभोक्ता मांग और व्यापार तनावों के बीच भारत ने अपेक्षाकृत तेज विकास दर, नियंत्रित महंगाई और मजबूत घरेलू मांग का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और आरबीआई के आकलन बताते हैं कि 2025 में भारत की आर्थिक कहानी केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक संरचनात्मक मजबूती से गढ़ी गई। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक 2025 के मुताबिक, भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 2025 में करीब 6.8 फीसदी रही। यह वैश्विक औसत 3.2: से अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अग्रिम अनुमानों में भी सेवा क्षेत्र, निर्माण और सार्वजनिक निवेश को विकास का प्रमुख इंजन बताया गया। सीएमआईई के अर्थशास्त्री महेश व्यास का कहना है कि भारत की वृद्धि का सबसे बड़ा आधार घरेलू मांग है, जिसने निर्यात और वैश्विक व्यापार की सुस्ती के असर को संतुलित किया। महंगाई व आरबीआईरू संतुलन की परीक्षा 2025 में भारत में खुदरा महंगाई औसतन 5.4 फीसदी रही, जो कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम थी। खाद्य कीमतों में उतार–चढ़ाव के बावजूद मुख्य महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। इससे आरबीआई को भी राहत मिली और उसने मौद्रिक नीति के मोर्चे पर विकास–समर्थक लेकिन सतर्क नीति अपनाई। सरकारी पूंजीगत खर्च और निजी निवेश से बढ़ा रोजगार 2025 में केंद्र का पूंजीगत खर्च जीडीपी के 3.4 फीसदी तक पहुंच गया। सड़क, रेलवे, रक्षा उत्पादन और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश ने मांग एवं रोजगार दोनों को सहारा दिया। विश्व बैंक की इंडिया डेवलपमेंट अपडेट 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक निवेश ने निजी क्षेत्र के लिए क्राउड–इन इफेक्ट पैदा किया। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के मुताबिक, भारत की विकास रणनीति अब निवेश और उत्पादकता बढ़ाने पर आधारित है, जो इसे लचीला बनाती है। अमेरिकी टैरिफ रू कितना गहरा था झटका अमेरिकी टैरिफ को इस वर्ष का सबसे बड़ा बाहरी आर्थिक झटका माना गया। अमेरिका को भारत के निर्यात में दूसरी और तीसरी तिमाही में 6–7 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, इस झटके का असर सीमित रहा, क्योंकि यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिस्वजीत धर के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अब इतनी विविध हो चुकी है कि एक बाजार का झटका सिस्टमेटिक संकट नहीं बन पाया। 2026 में...अवसरों और जोखिम के बीच संतुलन 2026 भारत के लिए नीतिगत फैसलों, वैश्विक भू–आर्थिक बदलावों और घरेलू सुधारों की वास्तविक परीक्षा का वर्ष बनेगा।

क्रेडिट स्कोर से लेकर UPI तक, 1 जनवरी 2026 से बदल जाएंगे ये सात बड़े नियम; आपकी जेब पर क्या होगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। 31 दिसंबर 2025 सिर्फ कैलेंडर बदलने की तारीख नहीं है, बल्कि यह आर्थिक मोर्चे पर कई जरूरी कार्यों को निपटाने की श्डेडलाइनश भी है। वहीं, 1 जनवरी 2026 की सुबह आम आदमी के लिए कई बदलाव लेकर आ रही है। बैंकिंग, टैक्सेशन, डिजिटल पेमेंट और निवेश से जुड़े नियमों में बड़ा फेरबदल होने जा रहा है। यदि आपने समय रहते इन बदलावों पर ध्यान नहीं दिया, तो आपको पेनल्टी भरनी पड़ सकती है या आपकी वित्तीय सेवाएं बाधित हो सकती हैं। यहां हम आपको उन सभी बदलावों के बारे में विस्तार से बता रहे हैं जो 31 दिसंबर की रात और 1 जनवरी की सुबह से प्रभावी होंगे।

1. क्रेडिट स्कोर के नियमों में बड़ा बदलाव

कर्ज लेने वालों के लिए नए साल से सबसे बड़ा बदलाव क्रेडिट स्कोर की रिपोर्टिंग में होने जा रहा है। अब तक क्रेडिट ब्यूरो (ब्प्ठप्स् आदि) आम तौर पर मासिक आधार पर डेटा अपडेट करते थे। 1 जनवरी 2026 से क्रेडिट स्कोर साप्ताहिक आधार पर अपडेट किया जाएगा। अगर आप लोन की म्डप् या क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने में एक दिन की भी देरी करते हैं, तो इसका असर आपके स्कोर पर तुरंत दिखाई देगा।

2. स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों में कटौती संभव

छोटी बचत योजनाओं (PPF, सुकन्या समृद्धि, NSC आदि) के निवेशकों के लिए 31 दिसंबर अहम तारीख है। सरकार हर तिमाही ब्याज दरों की समीक्षा करती है। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने हाल ही में 5 दिसंबर को रेपो रेट में 0.25: की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है। रेपो रेट घटने के बाद बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है। ऐसे में पूरी संभावना है कि 1 जनवरी से शुरू होने वाली तिमाही के लिए सरकार स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान कर सकती है।

3. आईटीआर फाइलिंगरू 31 दिसंबर आखिरी मौका

वित्त वर्ष 2024–25 (AY 2025–26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई थी। जो करदाता चूक गए थे, उनके लिए विलंबित रिटर्न (ठमसंजमक त्मजनतद) भरने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2025 है। अगर आप 31 दिसंबर तक रिटर्न नहीं भरते हैं, तो आप अपना टैक्स रिफंड क्लेम नहीं कर पाएंगे। 31 दिसंबर के बाद रिटर्न भरने के लिए आपको श्अपडेटेड रिटर्नश (प्ज्त्.न्) का सहारा लेना होगा, जो काफी महंगा पड़ेगा। 12 महीने के भीतर ऐसा करने पर कुल टैक्स का 25% अतिरिक्त जुर्माना लगेगा।

4. यूपीआई और डिजिटल पेमेंट पर सख्ती

डिजिटल फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए 1 जनवरी 2026 से डिजिटल लेन–देन के नियम सख्त हो रहे हैं। सरकार और आरबीआई के निर्देशानुसार, न्च्प् प्लेटफॉर्म्स (गूगल पे, फोन पे और वाट्सएप) को अब ज्यादा सख्त केवाईसी प्रक्रिया का पालन करना होगा। नए नियम के तहत मोबाइल नंबर वेरिफिकेशन और अकाउंट लिंक करने की प्रक्रिया में अतिरिक्त सुरक्षा लेयर जोड़ी जा रही है ताकि फर्जी अकाउंट्स पर लगाम लगाई जा सके।

5. पैन–आधार लिंक न होने से पैन हो सकता है निष्क्रिय

वित्तीय नियामकों ने साफ कर दिया है कि पैन और आधार को लिंक करना अनिवार्य है। अगर आपने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, तो 1 जनवरी 2026 से आपको बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लिंक न होने की स्थिति में आपका पैन निष्क्रिय हो सकता है।

6. एलपीजी और ईंधन की कीमतों में बदलाव

तेल विपणन कंपनियां (OMCs) हर महीने की पहली तारीख को ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं। 1 जनवरी 2026 को एलपीजी (घरेलू और कमर्शियल), सीएनजी और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के नए दाम जारी किए जाएंगे।

7. नए इनकम टैक्स कानून की आहट

नए साल में टैक्स व्यवस्था में एक और ऐतिहासिक बदलाव की तैयारी है। केंद्र सरकार की घोषणा के अनुसार, पुराना इनकम टैक्स एक्ट 1961 जल्द ही इतिहास बन जाएगा। 1 अप्रैल 2026 से देश में नया इनकम टैक्स कानून लागू होने जा रहा है। इसका उद्देश्य टैक्स प्रक्रिया को सरल बनाना और मुकदमेबाजी को कम करना है। अगले दो दिन (30 और 31 दिसंबर) वित्तीय नियोजन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। सलाह दी जाती है कि आईटीआर फाइलिंग और निवेश जैसे जरूरी काम 31 दिसंबर तक निपटा लें, ताकि नए साल में लगने वाले जुर्माने और सख्त नियमों के असर से बचा जा सके।

पुर्तगाल में सामंथा रूथ, रोम पहुंचीं रश्मिका मंदाना; जानिए न्यू ईयर वेकेशन पर कहां घूम रहे हैं चर्चित सितारे?

एजेंसी

साल 2025 का आज आखिरी दिन है। कई लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए अलग–अलग प्लान बना रहे हैं। वहीं बॉलीवुड सितारे भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन अलग–अलग जगहों पर करेंगे। जानिए, इन दिनों बॉलीवुड के चर्चित सितारे कहां अपनों के साथ छुट्टियां एंज्वॉय कर रहे हैं। पुर्तगाल में हनीमून मना रही हैं सामंथा रूथ 1 दिसंबर को सामंथा रूथ और डायरेक्टर राज निदिमोरु ने शादी की थी। बुधवार को सामंथा रूथ ने पुर्तगाल से अपनी वेकेशन फोटो शेयर कीं। वह राज निदिमोरु संग शादी के बाद यहां पर अपना हनीमून मनाने पहुंची हैं। करीना ने स्विट्जरलैंड से शेयर की तस्वीरें इन दिनों करीना कपूर भी सैफ अली खान अपने दोनों बेटों संग स्विट्जरलैंड में वेकेशन मना रही हैं। हर दिन वह वेकेशन की फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं। इन तस्वीरों में वह स्विट्जरलैंड की हसीन वादियों में अपनी वेकेशन को एंज्वॉय कर रही हैं। दीपिका पादुकोण लास वेगास में दिखीं दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह भी वेकेशन पर निकले हैं। पिछले दिनों दोनों ने न्यूयॉर्क की एक पार्टी से तस्वीरें वायरल हुईं। दीपिका की एक दोस्त ने भी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें एक्ट्रेस लास वेगास में दिखीं। वह अपनी फ्रेंड्स के साथ शादी की चर्चा के बीच रोम पहुंचीं रश्मिका मंदाना अगले साल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इससे पहले रश्मिका न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए निकल गई हैं। एक्ट्रेस ने रोम से वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। खबर है कि इस वेकेशन पर रश्मिका और विजय देवरकोंडा साथ हैं। मौनी रॉय और दिशा पाटनी 'बीच' वेकेशन पर दिखीं मौनी रॉय कुछ दिन पहले उत्तराखंड में वेकेशन मना रही थीं। अब उन्हें अपनी फ्रेंड और एक्ट्रेस दिशा पाटनी के साथ गोवा में दिखा गया है। दोनों समंदर किनारे एंज्वॉय कर रही हैं। मौनी और दिशा ने अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें भी इस वेकेशन से शेयर की हैं। ये सेलेब्स भी पार्टनर संग घूमने निकले हाल ही में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट, वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया जैसे कई और सेलेब्स भी वेकेशन पर निकले हैं। लेकिन यह कौन सी डेस्टिनेशन पर गए हैं, इसका अभी पता नहीं चला है। वहीं श्रेया सरन अपने पति और बेटी के साथ वेकेशन पर निकली हैं, वह बुधवार को एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743